चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.3.24	3	1-4

• एचएयू के कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर का 'गौ-आधारित प्राकृतिक खेती' पर कार्यक्रम

जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र और अग्निस्त्र का इस्तेमाल करके प्राकृतिक खेती को सफल मॉडल के रूप में अपनाएं : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

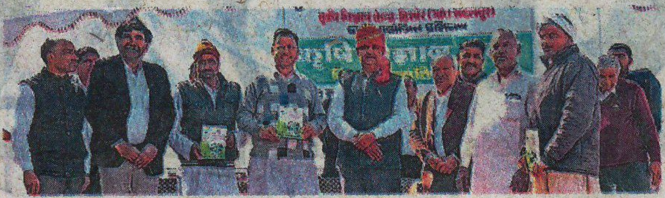

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर द्वारा 'गौ-आधारित प्राकृतिक खेती' विषय पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम व कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि के रूप में एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज रहे, जबकि कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र अग्निस्त्र, दशप्रनी अर्क आदि का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में विकसित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। गौ-आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती में अंतर को समझाते हुए, वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती के महत्व पर जानकारी दी। विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. राजेश आर्य व डॉ. सुनील ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा इजाद की गई विभिन्न किस्मों व तकनीकों की जानकारी दी। सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ. ओपी नेहरा, डॉ. बी.डी यादव ने विभिन्न फसलों में प्राकृतिक खेती की संभावनाएं बतायीं। कृषि विज्ञान केंद्र के को-ऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नवाचार द्वारा स्वरोजगार स्थापित करके अपनी आमदन बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर लागत कम करके मुनाफा बढ़ाने की जानकारी दी।

उर्वरक और उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई

कार्यक्रम के दौरान खेतीबाड़ी से जुड़ी मशीनरी, उर्वरक, सिंचाई में काम आने वाली सिस्टम तथा अन्य इनपुट बनाने वाली कंपनियों की प्रदर्शनियां भी लगाई गईं, जिसमें सब्जी उत्पादन में काम आने वाली मशीनें, शत-प्रतिशत जल विलय उर्वरक तथा नैनो यूरिया व नैनो डीएपी इत्यादि उत्पादों के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसान सरपंच नथूराम, श्रीरामेश्वर करिर, शिवशंकर, कृष्ण रावलवास, सरजीत, विक्रम खांडा खेड़ी, चिरंजी, कार्तिक को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5.3.24	3	5-6

जागरुकता — एचएयू के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में आयोजित जिलास्तरीय कार्यक्रम में कुलपति प्रो. कांबोज बोले

जीवामृत, बीजामृत का प्रयोग कर प्राकृतिक खेती को अपनाएं

माई सिटी रिपोर्टर

आदमपुर/हिसार। एचएयू के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर की ओर से 'गो-आधारित प्राकृतिक खेती' विषय पर जिलास्तरीय जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान मेले में मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र व अग्निस्त्र, दशप्रनी अर्क आदि का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि गो-आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने किसानों को कृषि कार्यों में नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। साथ ही किसानों को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके मूल्य संवर्धन करने तथा अपने उत्पादों की खुद कीमत तय कर विपणन करके अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन के तौर पर समूह बनाकर काम करने जिसमें शुद्ध अनाज, सब्जी, फल तैयार करके अधिक उत्पादन लेने के लिए किसानों को जागरूक किया।

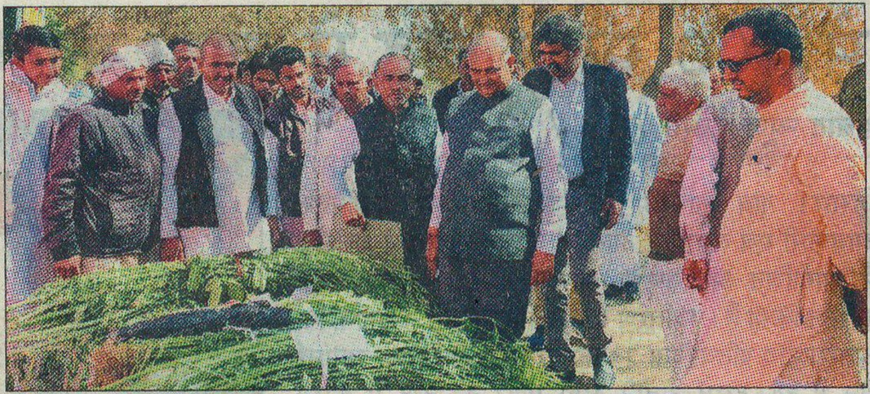

एचएयू में प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. सुनील ने भी किसानों को संबोधित किया। कृषि विज्ञान केंद्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नवाचार द्वारा स्वरोजगार स्थापित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर लागत कम करके मुनाफा बढ़ाने की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसान सरपंच नथूराम, शिवशंकर, कृष्ण रावलवास, सरजीत, विक्रम खांडा खेड़ी, चिरिंजी, कार्तिक को सम्मानित किया गया। इन प्रगतिशील किसानों ने प्राकृतिक खेती के बारे में अपने अनुभव साझा करके अन्य किसानों को भी प्रेरित किया। इस अवसर पर केवीके के वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप व डॉ. दिनेश भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	5.3.24	12	2-6

कृषि विज्ञान मेले में सम्मानित हुए प्रगतिशील किसान

प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में अपनाए किसान : प्रो. काम्बोज

गो-आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यायवरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर की ओर से गो-आधारित प्राकृतिक खेती विषय पर जिलास्तरीय जागरूकता कार्यक्रम व कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र अग्निस्त्र, दशप्रनी अर्क आदि का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में विकसित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। गो-आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यायवरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यातिथि ने किसानों को कृषि कार्यों में नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। साथ ही किसानों को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके मूल्य संवर्धन करने तथा अपने उत्पादों की खुद कीमत तय करके विपण्णन करके अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने फार्मर प्रोड्यूजर ऑर्गेनाइजेशन के तौर पर समूह बनाकर काम करने, जिसमें शुद्ध अनाज, सब्जी, फल तैयार करके अधिक उत्पादन लेने के लिए किसानों को जागरूक किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती में अंतर को समझाते हुए वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. राजेश आर्य व डॉ. सुनील ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा इजाद की गई विभिन्न किस्मों व तकनीकों की जानकारी दी। सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ. ओपी नेहरा, डॉ बीडी यादव ने विभिन्न फसलों में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं के बारे में बताया।

कृषि विज्ञान केंद्र के को-ऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नवाचार द्वारा स्वरोजगार स्थापित करके अपनी आमदन बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुडकर लागत कम करके मुनाफा बढ़ाने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसान सरपंच नथूराम, रामेश्वर करीर, शिवशंकर, कृष्ण रावलवास, सरजीत, विक्रम खांडाखेड़ी, चिरंजी व कार्तिक को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केवीके के वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप व डॉ. दिनेश भी उपस्थित रहे।

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटोः हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5.3.24	4	7-8

प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में अपनाएं किसान : प्रो. काम्बोज

हिसार, 4 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर द्वारा 'गौ-आधारित प्राकृतिक खेती' विषय पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम व कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र अग्निस्त्र, दशप्रनी अर्क आदि का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में विकसित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। गौ-आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यायवरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यातिथि ने किसानों को कृषि कार्यों में नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। साथ ही किसानों को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके मूल्य संवर्धन करने तथा अपने उत्पादों की खुद कीमत तय करके विपणन करके अधिक लाभ कमाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	5.3.24	11	6-8

'गौ-आधारित प्राकृतिक खेती' पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

'प्राकृतिक खेती अपनायें किसान'

हिसार, 4 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर ने 'गौ-आधारित प्राकृतिक खेती' पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम व कृषि विज्ञान मेले का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मौजूद रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र अग्निस्त्र, दशप्रनी अर्क का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में विकसित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने किसानों को कृषि कार्यों में नयी तकनीक अपनाने की सलाह दी।

साथ ही किसानों को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके मूल्य संवर्धन करने तथा अपने उत्पादों की खुद कीमत तय करके विपणन करके अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने फार्मर प्रोड्यूजर ओर्गेनाइजेशन के तौर पर समूह बनाकर काम करने, जिसमें शुद्ध अनाज, सब्जी, फल तैयार करके अधिक उत्पादन लेने के लिए किसानों को जागरूक किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती में अंतर समझाया और प्राकृतिक खेती के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहन दे रही है। किसान विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों से तकनीकी जानकारी लेकर सीमित क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की शुरुआत कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. राजेश आर्य व डॉ. सुनील ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा इजाद की गई विभिन्न किस्मों व तकनीकों की जानकारी दी। सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ ओपी नेहरा, डॉ बीडी यादव ने विभिन्न फसलों में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र के को-ऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नवाचार द्वारा स्वरोजगार स्थापित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर लागत कम करके मुनाफा बढ़ाने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसान सरपंच नथूराम, श्रीरामेश्वर करिर, शिवशंकर, कृष्ण रावलवास, सरजीत, विक्रम, चिरंजी, कार्तिक को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5.3.24	5	3-6

जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र व अग्नि अस्त्र का प्रयोग कर प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में अपनाएं किसान : प्रो. काम्बोज

हिसार, 4 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर द्वारा 'गौ-आधारित प्राकृतिक खेती' विषय पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम व कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र अग्निस्त्र, दशप्रनी अर्क आदि का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में विकसित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। गौ-आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यायवरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

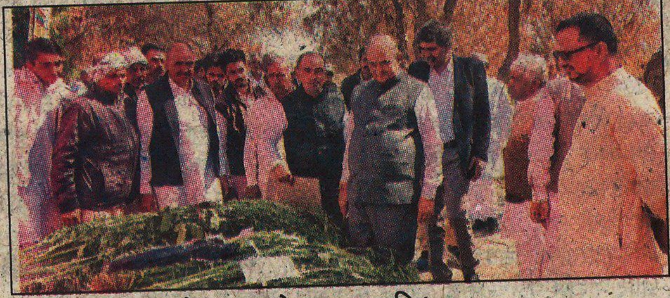

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति।

मुख्यातिथि ने किसानों को कृषि कार्यों में नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। साथ ही किसानों को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके मूल्य संवर्धन करने तथा अपने उत्पादों की खुद कीमत तय करके विपण्णन करके अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने फार्मर प्रोड्यूजर ओर्गेनाइजेशन के तौर पर समूह बनाकर काम करने, जिसमें शुद्ध अनाज, सब्जी, फल तैयार करके अधिक उत्पादन लेने के लिए किसानों को जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती में अंतर को समझाते हुए, वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. राजेश आर्य व डॉ. सुनील ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा इजाद की गई विभिन्न किस्मों व तकनीकों की जानकारी दी। सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ ओपी नेहरा, डॉ बी.डी यादव ने विभिन्न फसलों में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र के को-ऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नवाचार द्वारा स्वरोजगार स्थापित करके अपनी आमदन बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर लागत कम करके मुनाफा बढ़ाने की ज़ानकारी दी। न प्रगतिशील किसानों ने प्राकृतिक खेती के बारे में अपने अनुभव साझा करके अन्य किसानों को भी प्रेरित किया। इस अवसर पर केवीके के वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप व डॉ. दिनेश भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	04.03.2024	--	--

जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र व अग्निस्त्र का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में अपनाए किसान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर द्वारा 'गौ-आधारित प्राकृतिक खेती' विषय पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम व कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र अग्निस्त्र, दशप्रनी अर्क आदि का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में विकसित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। गौ-आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यायवरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यातिथि ने किसानों को कृषि कार्यों में नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। साथ ही किसानों को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके मूल्य संवर्धन करने तथा अपने उत्पादों की खुद कीमत तय करके विपण्णन करके अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने फार्मर प्रोड्यूजर ओर्गेनाइजेशन के तौर पर समूह बनाकर काम करने, जिसमें शुद्ध अनाज, सब्जी, फल तैयार करके अधिक उत्पादन लेने के लिए किसानों को जागरूक किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती में अंतर को समझाते हुए, वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहन दे रही है। किसान विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों से तकनीकी जानकारी लेकर सीमित क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की शुरुआत कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. राजेश आर्य व डॉ. सुनील ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा इजाद की गई विभिन्न किस्मों व तकनीकों की जानकारी दी। सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ ओपी नेहरा, डॉ बी.डी यादव ने विभिन्न फसलों में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र के को-ऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नवाचार द्वारा स्वरोजगार स्थापित करके अपनी आमदन बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड ?र लागत कम करके मुनाफा बढ़ाने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान खेतीबाड़ी से जुड़ी मशीनरी, उर्वरक, सिंचाई में काम आने वाली सिस्टम तथा अन्य इनपुट बनाने वाली कंपनियों की प्रदर्शनियां भी लगाई गई, जिसमें सब्जी उत्पादन में काम आने वाली मशीनें, शत-प्रतिशत जल विलय उर्वरक तथा नैनो यूरिया व नैनो डीएपी इत्यादि उत्पादों के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसान सरपंच नथूराम, श्रीरामेश्वर करिर, शिवशंकर, कृष्ण रावलवास, सरजीत, विक्रम खांडा खेड़ी, चिरंजी, कार्तिक को सम्मानित किया गया।

इन प्रगतिशील किसानों ने प्राकृतिक खेती के बारे में अपने अनुभव साझा करके अन्य किसानों को भी प्रेरित किया। इस अवसर पर केवीके के वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप व डॉ. दिनेश भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृत धारा	04.03.2024	--	--

जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र व अग्निस्त्र का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में अपनाए किसान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार से अमृत धारा के लिए फोटो जर्नलिस्ट मनोज भुटानी के साथ संजीव मेहता - चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, सदलपुर द्वारा गौ-आधारित प्राकृतिक खेती विषय पर जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम व कृषि विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने शिरकत की जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र अग्निस्त्र, दशपर्णी अर्क आदि का प्रयोग करके प्राकृतिक खेती को एक सफल मॉडल के रूप में विकसित करके अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। गौ-आधारित प्राकृतिक खेती से न केवल पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी बल्कि मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यातिथि ने किसानों को कृषि कार्यों में नई तकनीक अपनाने की सलाह दी। साथ ही किसानों को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण करके मूल्य संवर्धन करने तथा अपने उत्पादों की खुद कीमत तय करके विपणन करके अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने फार्मर प्रोड्यूजर ऑर्गेनाइजेशन के तौर पर समूह बनाकर काम करने, जिसमें शुद्ध अनाज, सब्जी, फल तैयार करके अधिक उत्पादन लेने के लिए किसानों को जागरूक किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती में अंतर को समझाते हुए, वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहन दे रही है। किसान विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों से तकनीकी जानकारी लेकर सीमित क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की शुरूआत कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. राजेश आर्य व डॉ. सुनील ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा इजाद की गई विभिन्न किस्मों व तकनीकों की जानकारी दी। सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ ओपी नेहरा, डॉ बी.डी यादव ने विभिन्न फसलों में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र के को-ऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नवाचार द्वारा स्वरोजगार स्थापित करके अपनी आमदन बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर लागत कम करके मुनाफा बढ़ाने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान खेतीबाड़ी से जुड़ी मशीनरी, उर्वरक, सिंचाई में काम आने वाली सिस्टम तथा अन्य इनपुट बनाने वाली कंपनियों की प्रदर्शनियां भी लगाई गई, जिसमें सब्जी उत्पादन में काम आने वाली मशीनें, शत-प्रतिशत जल विलय उर्वरक तथा नैनो यूरिया व नैनो डीएपी इत्यादि

उत्पादों के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसान सरपंच नथूराम, श्रीरामेश्वर कारिर, शिवशंकर, कृष्ण रावलवास, सरजीत, विक्रम खांडा खेड़ी, चिरंजी, कार्तिक को सम्मानित किया गया। इन प्रगतिशील किसानों ने प्राकृतिक खेती के बारे में अपने अनुभव साझा करके अन्य किसानों को भी प्रेरित किया। इस अवसर पर केवीके के वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप व डॉ. दिनेश भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Danik Savera	04.03.2024	--	--

CSSHAU initiated Krishi Vigyan Mela on subject of 'Cow-Based Natural Farming

@Thesaveratimes
Network

Farmers should adopt natural farming as a successful model by using Jeevamrit, Bijamrit etc: Prof. B.R. Kamboj

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar's Krishi Vigyan Kendra, Sadalpur, organized a district level awareness program and Krishi Vigyan Mela on the subject of 'Cow-Based Natural Farming'. The Vice Chancellor of the University, Prof. Was present as the chief guest in this program. B.R. Kamboj was present, while the University's Registrar and Director of Extension Education, Dr. Balwan Singh Mandal presided over the program.

Chief Guest Prof. B.R. Kamboj motivated the farmers to increase their income by developing natural farming as a successful model using Jeevamrit, Bijamrit, Nimastra Agnistra, Dashaprani extract etc. Cow-based natural farming will not only help in improving the environment but will also have a positive impact on human health. The chief guest advised the farmers to adopt new technology in agricultural work. Also, farmers can earn more profit by processing their products, doing value addition and marketing their products by deciding their own prices. He made the farmers aware of working by forming groups as Farmer Producer Organisation, in which they can produce pure grains, vegetables and fruits and get more production. Registrar and Director of Extension Education of the University, Dr. Balwan Singh Mandal, in his presidential address, explained to the farmers the difference between organic and natural farming and gave detailed information on the importance of natural farming in the present times. He said that the government is encouraging farmers to adopt natural farming. Farmers can start natural farming in limited areas by taking technical information from the agricultural science centers of the university. Controller of Examinations in the University, Dr. Pawan Kumar, Senior Scientist Dr. OP Bishnoi, Dr. Rajesh Arya and Dr. Sunil informed the farmers about the various varieties and technologies invented by the University. Retired scientists Dr OP Nehra and Dr BD Yadav told about the possibilities of natural farming in various crops. Dr. Narendra Kumar, Co-ordinator of Krishi Vigyan Kendra, informed the farmers to increase their income by establishing self-employment through innovation in the agriculture sector and by joining various schemes of the government to increase profits by reducing costs.